

पेगासस सपायवेयर

प्रलिस के लयल:

[पेगासस सपायवेयर](#), [ज़ीरो-कलकल](#) तथा [ज़ीरो-डे वलनरेबललटलटलज़](#), [राषट्रीय साइबर सुरकषा रणनीतल](#), [साइबर सुरकषतल भारत](#)

मेन्स के लयल:

सपायवेयर तथा नजलतल संबंधी चतलएँ, साइबर हमले, सरकारी पहल

[सुरत: द हद्वल](#)

चरूा में क्यूँ?

[पेगासस सपायवेयर](#) के कारण पुन: एक बार नजलतल और सुरकषा संबंधी मुददे चरूा में आए हैं। [एमनेसटी इंटरनेशनल](#) की हालयल रपुॉरटें [दु प्रमुख भारतीय पत्रकारुँ के फुन](#) कु लकषतल करने में इसके उपयुग की ओर संकेत करती हैं, जसलसे संभावतल सरकारी भागीदारी के बारे में पूछतलछ शुरु हु गई है।

- एमनेसटी इंटरनेशनल 10 मललयन से अधकल लुगुँ कु एक वैश्वकल आंदुलन है कु एक ऐसे भवषुय की परकल्लपना के लयल प्रतबलदध है जहसुँभी के मानवाधकलरुँ कु सुनशुचतल कयल जा सके।

पेगासस सपायवेयर क्यूा है?

परचुयल:

- पेगासस सपायवेयर एक अतुयधकल सुदृढ़ मुुाइल आवेकषण दूल है कु वभलनलन ऐप्स और सुरतुँ से डेटा तथा जानकारी एकतर कर सेलफुन तक गुपुत रूु से पहुँच सकतल है एवं नगलरानी कर सकतल है।
- इसे [इज़राली साइबर-इंटेल्जलंस फरुु NSO गुपु](#) दवारा वकलसतल कयल गयल थल, कु इसे मलतर अपराध तथा आतंकवाद की रुकथलम के लयल सरकारी एजेंसलरुँ कु बेचने कु दलवल करतल है।
 - NSO उन पत्रकलरुँ, वकीलुँ तथा मानवाधकलरुँ रकषकुँ कु नशलनल बनाने से बचने के लयल सुरकषा उपायुँ पर जुर देतल है कु आतंक अथवल गंभीर अपराधुँ में शलमलल नही है।

परचललन परकुरुयल:

- पेगासस डवलइस कु लकषतल करने के लयल “[ज़ीरो-कलकल](#)” वधलरुँ कु उपयुग करतल है, यह एक सॉफुटवेयर है कु उपयुगकरुतुतल की सहमतल के बनल उसके डवलइस पर सपायवेयर इंसुटुॉल करने की अनुमतल देतल है।
 - सपायवेयर कु इंसुटुॉलेशन के लयल कसलुँ उपयुगकरुतुतल कलरुवरलई की आवशुयकतल नही हुती है कु इसे नयलमतल ऐप्स से अलग करतल है जनलके इंसुटुॉलेशन में स्पषुट उपयुगकरुतुतल पुषुट की आवशुयकतल हुती है।
 - यह वहाटसएु, आईमेसेज यल फेसुटलइम जैसे ऐप्स में कलमजुरलरुँ कल फलयदल उठल सकतल है और एक संदेश यल कुॉल भेज सकतल है कु सपायवेयर की सुथलपनल कु टुरगलर करतल है, भले ही उपयुगकरुतुतल इसे न देखें यल इसकुल जवलब न दें।
- पेगासस एक सपायवेयर है कु एप्पल उतुपलदुँ पर सपायवेयर तैनलत करने के लयल [ज़ीरो-डे भेदुयतल की कलमजुरलरुँ](#) कु ललभ उठल सकतल है।
 - ज़ीरो-डे भेदुयतल एक ऑपरेटगल सलसुुतल में एक अनदेखल दुष यल बग है जसलके बारे में मुुाइल फुन के नरलमतल कु अभी तक पतल नही लग पलयल है और इसललयल वह इसे ठीक करने में सकषुम नही है।

लकषुयल:

- कुई जलँकुँ और रपुॉरटुँ से पतल चलल है कल पेगलसस सपायवेयर कु इसुतेमलपत्रकलरुँ, मानवाधकलरुँ कलरुयकरुतुतलओँ, वकीलुँ, वपलकषी नेताओँ और [राषुटरलधुयकषुँ की जलसूसी करने के लयल](#) कयल गयल है।
- कुनल देशुँ पर अपने आलुचकुँ और दुशुमनुँ कु नशलनल बनाने के लयल पेगलसस सपायवेयर कु उपयुग करने कु आरोप लगलयल गयल है उनमें [सऊदी अरब](#), [मैक्सकुल](#), [भलरत](#), [मुरककु](#), [हंगरी](#), [अज़रबैजलन](#) तथा [रवलंडल](#) शलमलल हैं।

आशुयल:

- पेगलसस सपायवेयर भुरषुटलचलर कु उजलग करने, मानवाधकलरुँ की रकषल करने तथा लुकतंतर कु समरुथन करने वललेधुयकतुतलरुँ एवं समूहुँ की [गुपनीयतल](#) और [सुरकषल](#) कु खतरे में डललतल है।

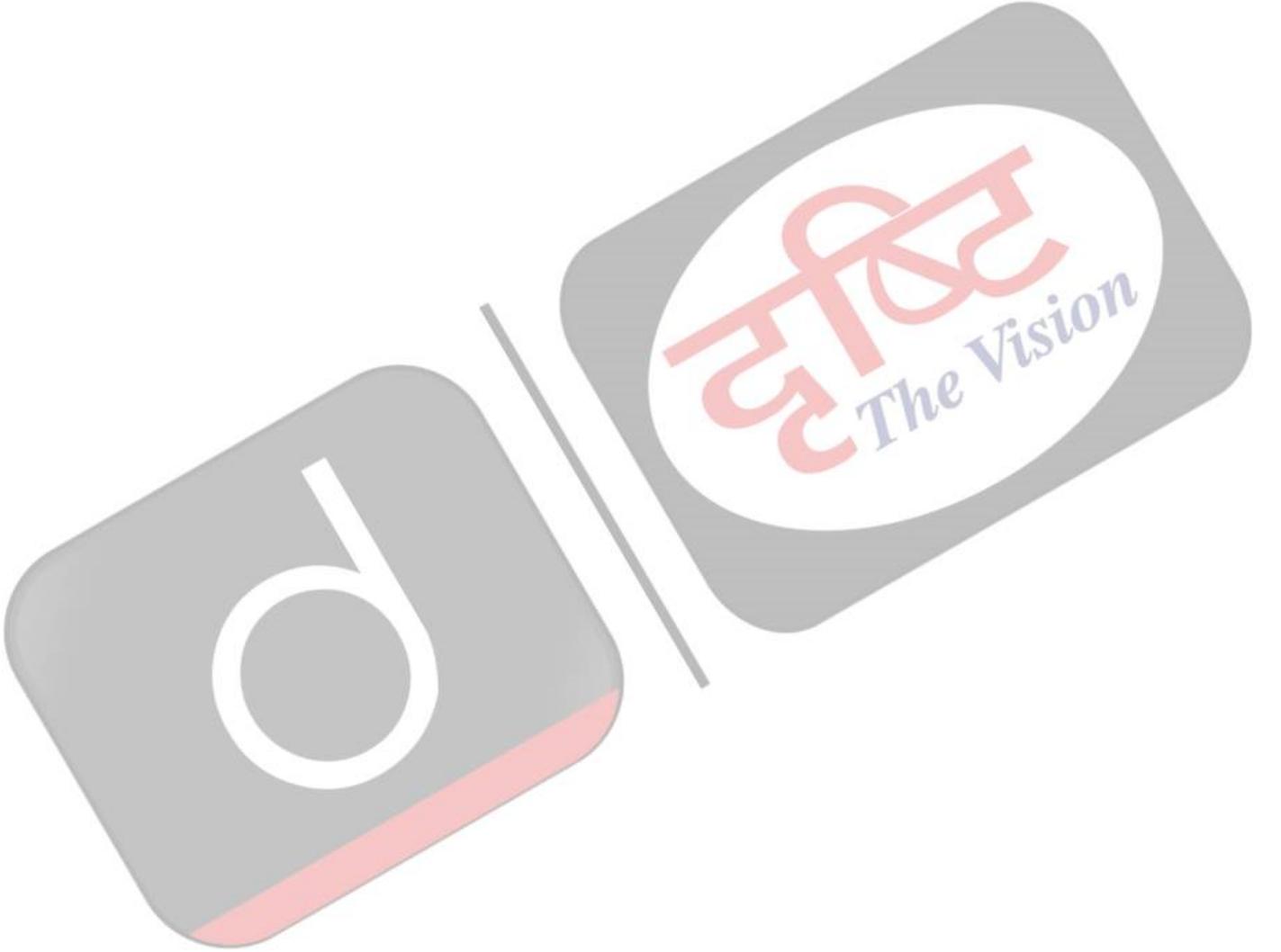
- यह पत्रकारों के स्रोतों, तरीकों और सामग्रियों को उजागर करके, उनकी स्वतंत्रता से समझौता करके प्रेस की स्वतंत्रता को कमजोर करता है।
- स्पायवेयर राष्ट्रों की संप्रभुता और स्थिरता के लिये खतरा उत्पन्न करता है, **आंतरिक मामलों एवं नरिणय लेने की प्रक्रियाओं में वदेशी हस्तक्षेप तथा जासूसी को सक्षम बनाता है।**

■ **चुनौतियाँ:**

- पेगासस स्पायवेयर का पता लगाना और उसे हटाना मुश्किल है, क्योंकि यह डेविड्स पर अपनी उपस्थिति एवं गतिविधियों को छिपा सकता है तथा अगर इसे पता चलता है कइसकी खोज या विश्लेषण किया जा रहा है तो यह **स्वयं को नष्ट कर सकता है।**
- कानूनी रूप से असपष्ट क्षेत्रों में इसके संचालन के कारण पेगासस स्पायवेयर को वनियमति और नरिंतरति करना मुश्किल है।
 - NSO समूह और उसके ग्राहक आमतौर पर स्पायवेयर के दुरुपयोग के लिये ज़िम्मेदारी से इनकार करते हैं या उससे बचते हैं।

साइबर खतरों के प्रमुख प्रकार:

//



Cyber Threat	Description
Malware	Malicious software designed to harm or exploit systems by infecting, disrupting, or gaining unauthorized access.
Phishing	Deceptive attempts to acquire sensitive information, often through fake emails, websites, or messages impersonating trusted entities.
Ransomware	Encrypts data and demands payment (usually in cryptocurrency) for its release, posing significant threats to data integrity.
DDoS Attacks	Overwhelms a system with a flood of traffic, causing service disruption by exhausting resources or bandwidth.
Man-in-the-Middle (MitM)	Intercepts and potentially alters communication between two parties, leading to unauthorized access or information theft.
SQL Injection	Exploits vulnerabilities in SQL databases by injecting malicious code, allowing unauthorized access or data manipulation.
Zero-Day Exploits	Attacks targeting undiscovered vulnerabilities in software before developers can create a patch, posing a serious and often potent threat.
Social Engineering	Manipulating individuals into divulging sensitive information through psychological manipulation or deception.
Insider Threats	Risks originating from individuals within an organization, either intentionally or unintentionally causing harm or data breaches.
Advanced Persistent Threats (APTs)	Prolonged and targeted cyber attacks often linked to espionage, aiming to infiltrate and remain undetected in a network.
Cross-Site Scripting (XSS)	Injects malicious scripts into web pages viewed by others, potentially compromising the security and privacy of users.
Credential Stuffing	Uses stolen usernames and passwords from one breach to gain unauthorized access to other accounts due to individuals reusing passwords.
Internet of Things (IoT) Threats	Exploits vulnerabilities in connected devices, potentially allowing unauthorized access or disruption of IoT networks.
Cryptojacking	Unauthorized use of a computer's resources for cryptocurrency mining, slowing down systems and consuming energy without the user's consent.
Wi-Fi Eavesdropping	Unauthorized interception of wireless communication, where attackers may capture sensitive data transmitted over Wi-Fi networks.



संबंधित साइबर सुरक्षा पहल क्या हैं?

- भारत:
 - सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
 - राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति
 - साइबर सुरक्षा भारत
 - कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम - भारत (CERT-In)
 - महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना
 - भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)
- अंतरराष्ट्रीय तंत्र:
 - अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)
 - साइबर अपराध पर बुडापेस्ट कन्वेंशन

आगे की राह

- नगरानी उपकरणों के किसी भी अनैतिक उपयोग के लिये कंपनियों को जवाबदेह ठहराने और स्वतंत्र ऑडिट की सुविधा के लिये एक अंतरराष्ट्रीय नरीक्षण तंत्र स्थापित की जानी चाहिये।
 - स्पायवेयर के उपयोग को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करने और लक्षित व्यक्तियों की गोपनीयता एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिये राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढाँचे को मज़बूत की जानी चाहिये।
- स्पायवेयर से उत्पन्न जोखिमों और संभावित घुसपैठ के खिलाफ अपने उपकरणों की सुरक्षा के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिये जन जागरूकता अभियान चलाएँ।
- संभावित स्पायवेयर गतिविधियों की निरंतर नगरानी सहित साइबर खतरों का सक्रिय रूप से पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिये राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करें।
- तकनीकी कंपनियों को नैतिक दिशा-निर्देशों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करें जो मानवाधिकार सिद्धांतों के अनुरूप हों तथा ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट व्यवहार को बढ़ावा दें।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न

??????:

प्रश्न1. 'वान्नाकार्डी, पेट्या और इंटरनलब्लू' पद जो हाल ही में समाचारों में उल्लिखित थे, नमिनलखिति में से कसिके साथ संबंधित हैं? (2018)

- (a) एक्सोप्लैनेट्स
- (b) प्रचछन्न मुद्रा (क्रपिटोकर्सि)
- (c) साइबर आक्रमण
- (d) लघु उपग्रह

उत्तर: (c)

प्रश्न2. भारत में, कसिी व्यक्ति के साइबर बीमा कराने पर नधिकी हानिकी भरपाई एवं अन्य लाभों के अतरिकित सामान्यतः नमिनलखिति में से कौन-कौन से लाभ दयि जाते हैं? (2020)

1. यदि कोई मालवेयर कंप्यूटर तक उसकी पहुँच बाधति कर देता है, तो कंप्यूटर प्रणाली को पुनः प्रचालति करने में लगने वाली लागत।
2. यदि यह प्रामाणति हो जाता है कि कसिी शरारती तत्त्व द्वारा जान-बूझकर कंप्यूटर को नुकसान पहुँचाया गया है तो नए कंप्यूटर की लागत।
3. यदि साइबर बलात्-ग्रहण होता है तो इस हानिकी न्यूनतम करने के लयि वशिषज्ज परामर्शदाता की सेवाएँ लेने पर लगने वाली लागत।
4. यदि कोई तीसरा पक्ष मुकदमा दायर करता है तो न्यायालय में बचाव करने में लगने वाली लागत।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि-

- (a) केवल 1, 2 और 4
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

प्रश्न1. भारत में, साइबर सुरक्षा घटनाओं पर रिपोर्ट करना नमिनलखिति में से कसिके/कनिके लयि वधिति: अधदिशात्मक है/है? (2017)

- 1- सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर)
- 2- डेटा सेंटर
- 3- कॉर्पोरेट नकिय बॉडी (कॉर्पोरेट)

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न1. साइबर सुरक्षा के वभिन्न तत्त्व क्या हैं? साइबर सुरक्षा में चुनौतयिों को धयान में रखते हुए समीक्षा कीजयि कि भारत ने कसि हद तक एक व्यापक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति सफलतापूर्वक वकिसति की है। (2022)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pegasus-spyware-2>

